Page-1

एम. एस. कॉलेज, [illegible]
विभाग हिन्दी
विषय - हिन्दी रचना पत्र
वर्ग - स्नातक भाग -1.
शिक्षण माध्यम - वाट्स-एप
समय - 11 बजे से 12 बजे तक, 5.10.20.
शिक्षक - डॉ. रमेश शर्मा
पाठ - पत्र लेखन
प्रिय - छात्र - छात्राएँ!

पत्र लेखन में सम्बोधन का एक अपना महत्व होता है। पत्र-लेखन के स्वरूप की विविधता के कारण सम्बोधन में बदलाव स्वाभाविक रूप से हो जाता है। इधर मोबाइल की सेवा के कारण मित्रों के यहाँ तो पत्र अब शायद ही लिखा जाता है जबकि मित्रों के यहाँ पत्र-लेखन में जो स्वच्छंद प्रवाह होता है भाषा की गति में जो तीव्रता होती है उसका आनन्द ही कुछ और है। वास्तव में मित्र के यहाँ व्यक्ति कुछ भी बिलकुल सहज होकर अपने को अभिव्यक्त करता है। इसलिए पत्र लम्बा भी होता है। उदाहरणार्थ आगामी वार्षिक परीक्षा की तैयारी से सम्बन्धित पत्र यदि लिखना हो तो हम खुलकर हम अपने मन की बात मित्र से साझा करते हैं।

एक बानगी देखें —

दिनांक 5.10.20
छपरा

प्रिय मित्र दिनेश,

नमस्कार।

मैं सपरिवार सकुशल हूँ, और तुम्हारी

सकुशलता की कामना करता हूँ। परसों ही तुम्हारा पत्र मिला था। मैंने दो-तीन बार पढ़ा तुम बहुत कंजूस हो तुमने मुझसे जो जानना चाहा है कि अंग्रेजी की तैयारी कैसे कर रहे हो? तुमने अपनी बात तो बताई नहीं जबकि तुम ट्यूशन भी पढ़ते हो। मैं तो गरीब आदमी तुमपर आश्रित हूँ मुझे तो अंग्रेजी ग्रामर से बहुत डर लग रहा है। बराबर लिखने के दौरान भूल जाता हूँ। Tense के अलावे तो मैं आगे बढ़ ही नहीं पा रहा हूँ। तुमने लिखा है कि मेरी हिन्दी अच्छी है तो हिन्दी ही के बल पर समूची परीक्षा पास कर जाऊँगा!

सच कहता हूँ मित्र समय बहुत कम है मेरी मदद करो। विज्ञान के विषयों की भी तैयारी अधूरी है। मैं तो सोच रहा था कि काश दिनेश इधर गाँव आ जाता तो मेरी तैयारी को बहुत राहत मिलती। तुम तो शहरी हो गये हो, पर अपने सुदामा को कैसे भूल गये तुम। पत्र पाते ही अंग्रेजी ग्रामर की तैयारी से सम्बन्धित पत्र लिखना। मेरे एक मात्र तुम्हीं सहारा हो।

तुम्हारा ही

मनरू लाल।

५.१०.२०२०.